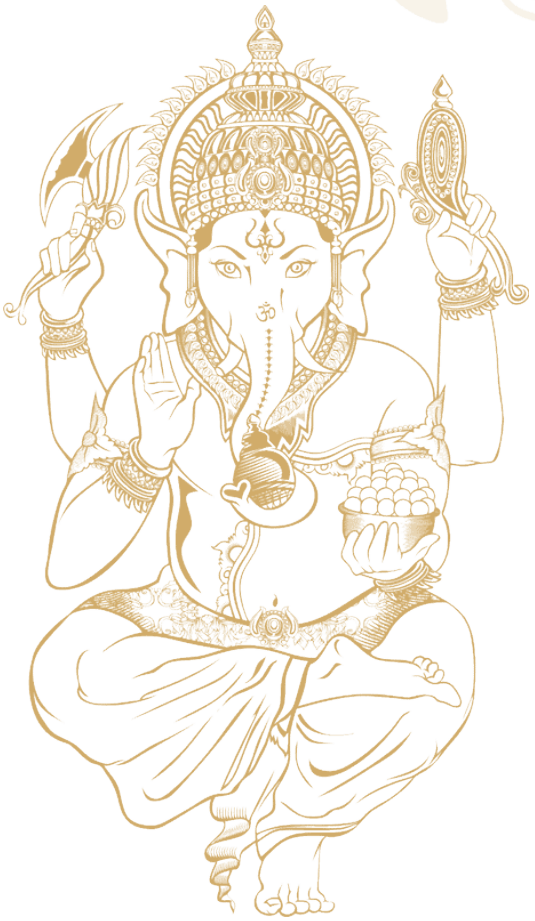

Mr.

14 Jan 2008

10:30 PM

Panna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121651502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/01/2008**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	38:55:28 घटी
स्थान	**Panna**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	80:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:20:56 घंटे
वेलान्तर	-00:08:47 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:06 घंटे
सूर्योदय	06:55:48 घंटे
सूर्यास्त	17:40:11 घंटे
दिनमान	10:44:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:55:50 धनु
लग्न के अंश	04:55:02 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:55:02	327:46:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			धनु	29:55:50	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	15:31:59	13:48:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल	व		मिथु	01:50:34	00:12:58	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मक	16:19:59	01:30:54	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	12:09:18	00:13:28	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	24:13:45	01:13:21	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि	व		सिंह	13:58:49	00:02:45	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	04:11:29	00:01:22	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	04:11:29	00:01:22	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	21:52:59	00:02:24	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	26:44:02	00:02:05	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	05:39:09	00:02:03	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	04:54:21	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:19

लग्न-चलित

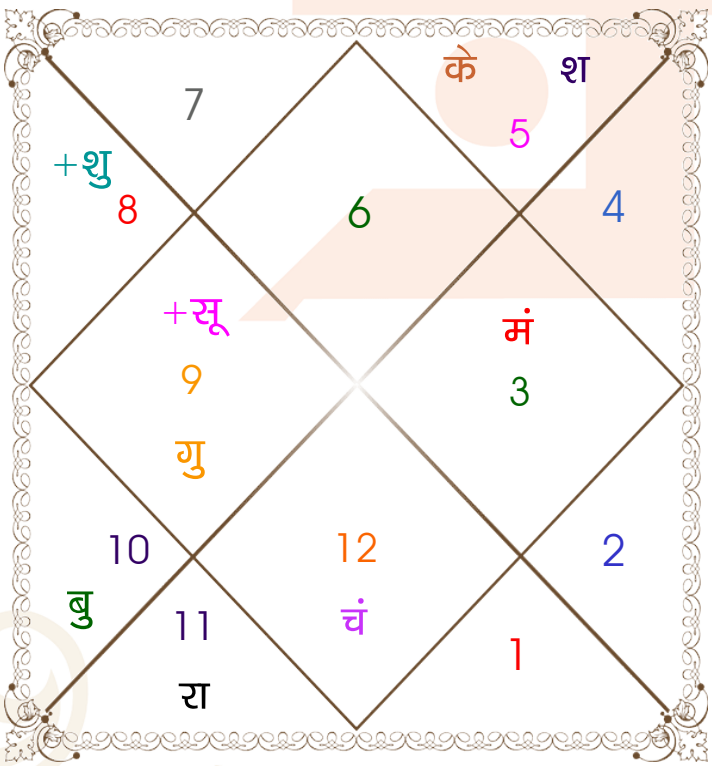

चन्द्र कुंडली

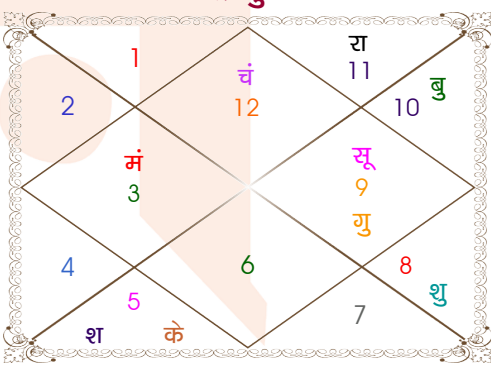

नवमांश कुंडली

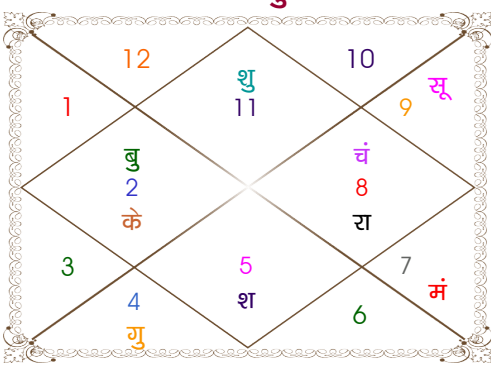

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 7 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/01/2008		26/08/2009		27/08/2026		26/08/2033		26/08/2053	
26/08/2009		27/08/2026		26/08/2033		26/08/2053		27/08/2059	
	00/00/0000	बुध	23/01/2012	केतु	23/01/2027	शुक्र	26/12/2036	सूर्य	14/12/2053
	00/00/0000	केतु	19/01/2013	शुक्र	24/03/2028	सूर्य	26/12/2037	चंद्र	15/06/2054
	00/00/0000	शुक्र	20/11/2015	सूर्य	30/07/2028	चंद्र	27/08/2039	मंगल	20/10/2054
	00/00/0000	सूर्य	26/09/2016	चंद्र	28/02/2029	मंगल	26/10/2040	राहु	14/09/2055
	00/00/0000	चंद्र	25/02/2018	मंगल	27/07/2029	राहु	27/10/2043	गुरु	02/07/2056
	00/00/0000	मंगल	22/02/2019	राहु	14/08/2030	गुरु	27/06/2046	शनि	14/06/2057
	00/00/0000	राहु	11/09/2021	गुरु	21/07/2031	शनि	26/08/2049	बुध	21/04/2058
	14/01/2008	गुरु	18/12/2023	शनि	29/08/2032	बुध	26/06/2052	केतु	27/08/2058
गुरु	26/08/2009	शनि	27/08/2026	बुध	26/08/2033	केतु	26/08/2053	शुक्र	27/08/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/08/2059		26/08/2069		26/08/2076		27/08/2094		28/08/2110	
26/08/2069		26/08/2076		27/08/2094		28/08/2110		15/01/2128	
चंद्र	26/06/2060	मंगल	23/01/2070	राहु	09/05/2079	गुरु	14/10/2096	शनि	30/08/2113
मंगल	25/01/2061	राहु	10/02/2071	गुरु	02/10/2081	शनि	27/04/2099	बुध	10/05/2116
राहु	27/07/2062	गुरु	17/01/2072	शनि	08/08/2084	बुध	03/08/2101	केतु	18/06/2117
गुरु	26/11/2063	शनि	25/02/2073	बुध	25/02/2087	केतु	10/07/2102	शुक्र	18/08/2120
शनि	27/06/2065	बुध	22/02/2074	केतु	15/03/2088	शुक्र	10/03/2105	सूर्य	31/07/2121
बुध	26/11/2066	केतु	21/07/2074	शुक्र	16/03/2091	सूर्य	27/12/2105	चंद्र	01/03/2123
केतु	27/06/2067	शुक्र	20/09/2075	सूर्य	07/02/2092	चंद्र	28/04/2107	मंगल	09/04/2124
शुक्र	25/02/2069	सूर्य	26/01/2076	चंद्र	08/08/2093	मंगल	03/04/2108	राहु	14/02/2127
सूर्य	26/08/2069	चंद्र	26/08/2076	मंगल	27/08/2094	राहु	28/08/2110	गुरु	15/01/2128

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 7 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।